



न्यूज़ ब्रीफ

टाटा ट्रस्ट देश में स्थापित करेगा 40-50 गैर-लाभकारी अस्पताल, वित्त वर्ष 2025-26 में 1,556 करोड़ एरोपकार पर किया खर्च



मुंबई। देश के प्रमुख परमार्थ संगठनों में शुमार टाटा ट्रस्ट ने बीते वित्त वर्ष (2025-26) में परोपकारी कार्यों पर 1,556.31 करोड़ रुपए का वितरण किया है। ट्रस्ट अब देश भर में 40 से 50 गैर-लाभकारी सामान्य अस्पतालों का एक विशाल नेटवर्क स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। चेयरमैन नोएल टाटा ने वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही। न प्रस्तावित अस्पतालों में सक्षम मरीज आर्थिक रूपा से कमजोर लोगों के उपचार में सहायक होंगे। नोएल टाटा ने बल दिया कि परमार्थ का आकलन केवल खर्च या पहुंच से नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आए दीर्घकालिक बदलाव से होना चाहिए। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल व्यय में ग्रामीण विकास को सर्वाधिक 457.62 करोड़ रुपए मिले, इसके बाद शिक्षा और कैसर उपचार प्रमुख क्षेत्र रहे। व्यक्तिगत अनुदान में चिकित्सा सहायता सबसे ऊपर रही। ट्रस्ट की 2026-31 की स्वास्थ्य रणनीति का लक्ष्य 75 विकास खंडों और 100 से अधिक सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त कर 25 लाख लोगों तक पहुंचना और 20 हजार स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करना है। टाटा ट्रस्ट के कैसर उपचार कार्यक्रम के तहत 1 लाख से अधिक बाह्य रोगी परामर्श दिए गए। नोएल टाटा ने भारतीय प्रतिभा प्रत्यागन और परोपकार के बदलते स्वरूप पर भी प्रकाश डालते हुए, सबसे बड़ा बनने के बजाय सबसे बेहतर बनने की महत्ता पर जोर दिया।

सैटेलाइट इंटरनेट पर बढ़ा विवाद, स्टारलिनक और रिलायंस आगने-सामने



मुंबई। भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के आगमन से पहले ही एलन मस्क की कंपनी स्टारलिनक और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। स्टारलिनक ने जहां अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारियों का दावा किया है, वहीं रिलायंस ने भारतीय नियमों के पालन और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पर जोर दिया है। इस विवाद में सरकार ने भी सभी कंपनियों के लिए समान नियमों का हवाला दिया है। भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के बाजार में प्रवेश को लेकर स्टारलिनक और रिलायंस के बीच बयानबाजी अब गरमा गई है। मस्क ने भारत में स्टारलिनक की एंट्री में रुकावटों पर सवाल उठाए थे, जिसके बाद रिलायंस ने साफ किया कि वह किसी भी प्रतिस्पर्धा से नहीं डरती। अब स्टारलिनक ने भी अपना पक्ष रखते हुए भारत में हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने की अपनी योजनाओं पर जोर दिया है। स्टारलिनक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि वह पांच साल से अधिक समय से भारत में काम कर रही है और देश में हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी के अनुसार, उसने आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा व्यवस्था तैयार कर ली है, हालांकि, सेवा शुरू करने के लिए सभी सरकारी शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है। दूसरी ओर, रिलायंस ने स्पष्ट किया है कि उसे प्रतिस्पर्धा से कोई डर नहीं, बल्कि वह ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में विश्वास रखती है।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में बढ़कर 16,333 करोड़ पहुंचा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के प्रमुख ऋणदाता आईसीआईसीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में रिकार्ड तोड़ वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं। बैंक का समेकित मुनाफा 22.3 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 16,333.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,357.06 करोड़ रुपये था। यह शानदार प्रदर्शन मुख्य रूप से ऋण वितरण में जबरदस्त उछाल, शुद्ध व्याज आय में वृद्धि और ग्राहकों की जमा राशि में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के कारण संभव हुआ है। इस तिमाही में बैंक की कुल आमदनी भी 15.8 फीसदी बढ़कर 88,161.18 करोड़ रुपये रही, जिसमें व्याज से होने वाली आय 55,991.91 करोड़ रुपये थी। बैंक के परिचालन खर्च बढ़ने के बावजूद, उसके प्रावधानों में कमी आई। टैक्स को छोड़कर यह राशि 909.31 करोड़ रुपये से घटकर 895.21 करोड़ रुपये रह गई, जो बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार का सकारात्मक संकेत है। 30 सितंबर 2026 तक बैंक के दिए गए कर्ज (एडवांस) में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई, जो 14,92,161.12 करोड़ रुपये से बढ़कर 19,35,385.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गए। वहीं ग्राहकों की जमा राकम भी बढ़कर 20,91,538.51 करोड़ रुपये हो गई।

नईदुनिया

दिल्ली में विरोध-प्रदर्शन से 10 दिनों में व्यापारियों को 4 हजार करोड़ के नुकसान का अनुमान: खंडेलवाल

नई दिल्ली	रोजाना 400 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार प्रभावित हो सकता है।
कन्फेडरेशन आफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने रविवार को कहा कि देश की राजधानी में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों के कारण व्यापारियों को पिछले दस दिनों में 4 हजार करोड़ का नुकसान झेड़ना पड़ा है। राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में बीते कुछ दिनों से जारी विरोध-प्रदर्शनों के कारण व्यापारिक गतिविधियों पर पड़ रहे प्रतिकूल प्रभाव पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए खंडेलवाल ने कहा कि यदि बाजारों में यह व्यवधान लंबे समय तक बना रहा तो दिल्ली में	रोजाना 400 करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार प्रभावित हो सकता है। खंडेलवाल ने बताया कि नई दिल्ली में औसतन रोजाना लगभग 2,200 करोड़ रुपये का व्यापारिक कारोबार होता है। ऐसे में राजधानी दिल्ली का व्यापक व्यापारिक ढांचा किसी भी प्रकार के व्यवधान से चरमरा जाता है। उन्होंने अनुमान जताते हुए कहा कि 10 दिनों के भीतर ये आंकड़ा 4,000 करोड़ रुपये के भारी-भरकम स्तर तक पहुंचने का अनुमान है। संवैधानिक मर्यादाओं का हवाला देते हुए खंडेलवाल ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद

अगले सप्ताह सिर्फ 2 नए आईपीओ की लान्चिंग 9 कंपनियों के शेयरों की होगी लिस्टिंग

नई दिल्ली	सोमवार यानी 19 अक्टूबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में नई लान्चिंग के लिहाज से मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह जियो प्लेटफार्मस समेत दो बड़ी कंपनियां अपने आईपीओ लान्च कर रही हैं। ये दोनों ही आईपीओ मेनबोर्ड सेगमेंट के हैं। इन दो नए आईपीओ के अलावा पिछले सप्ताह खुले चार अन्य मेनबोर्ड आईपीओ और एक एसएमई आईपीओ में भी इस सप्ताह के पहले दिन निवेशक बोली लगा सकेंगे। इस सप्ताह कुल 9 कंपनियां स्टॉक मार्केट में एंट्री करने वाली हैं, जिससे लिस्टिंग के लिहाज से भी यह सप्ताह काफी व्यस्त रहेगा।	सोमवार यानी 19 अक्टूबर से शुरू होने वाले कारोबारी सप्ताह के दौरान प्राइमरी मार्केट में नई लान्चिंग के लिहाज से मामूली हलचल रहने वाली है। इस सप्ताह जियो प्लेटफार्मस का 30,213 करोड़ रुपये का विशाल आईपीओ सप्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस इश्यू में 23 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकेगी। आईपीओ में बोली लगाने के लिए 1,065 रुपये से लेकर 1,119 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 12 शेयरों का है। आईपीओ की क्लोजिंग के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 28 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर हो सकती है। यह भारत के इतिहास का अबतक का सबसे बड़ा आईपीओ होने जा रहा है।
21 अक्टूबर को जियो प्लेटफार्मस के साथ हेल्थकेयर सेक्टर की बड़ी कंपनी पारस हेल्थकेयर का 1,450 करोड़ रुपये का आईपीओ भी सप्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा। इस पब्लिक इश्यू में भी निवेशक 23 अक्टूबर तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी ने इस आईपीओ के लिए 660 रुपये से लेकर 693 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड निर्धारित किया है, जबकि इसका लाट साइज 21 शेयरों का है। इश्यू बंद होने के बाद कंपनी के शेयरों की लिस्टिंग 28 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होने की उम्मीद है। इन नए आईपीओ के अलावा, पिछले सप्ताह 15 अक्टूबर को सप्सक्रिप्शन के लिए खुले जेटवर्क मैन्युफैक्चरिंग बिजनेसेज के 5,012.33 करोड़ रुपये के बड़े आईपीओ में कल यानी 19 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। इस आईपीओ में निवेशक 143 रुपये से लेकर 151 रुपये प्रति शेयर के प्राइस बैंड में बोली लगा सकते हैं, जबकि लाट साइज 99 शेयरों का है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 अक्टूबर को कंपनी के शेयर बाजार में लिस्ट हो	सकते हैं। इस पब्लिक इश्यू को अभी तक 0.31 गुना सप्सक्रिप्शन मिल चुका है। इसी तरह 15 अक्टूबर की ही खुला बोनफिलियोलो ट्रांसमिशन का 2,533.66 करोड़ रुपये का आईपीओ भी कल यानी 19 अक्टूबर को बंद होने जा रहा है। इस आईपीओ के लिए 558 रुपये से लेकर 586 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है और इसका लाट साइज 25 शेयरों का है। इस पूरी तरह से आफर फार सेल वाले इश्यू की लिस्टिंग भी 23 अक्टूबर को तय की गई है। दूसरे दिन की बोली खत्म होने तक इस आईपीओ को 0.99 गुना सप्सक्रिप्शन मिल चुका है। इसके अलावा, पिछले हफ्ते खुले टॉबो इमेर्जिंग इंडिया के 852.18 करोड़ रुपये के आईपीओ में भी सोमवार यानी 19 अक्टूबर तक ही आवेदन करने का मौका है। कंपनी ने इसके लिए 665 रुपये से लेकर 700 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड और 21 शेयरों का लाट साइज तय किया है। इस इश्यू को निवेशकों का शानदार रिस्पांस मिला है, जिसके कारण दूसरे दिन के अंत तक यह 7.77 गुना सप्सक्राइड हो चुका है। इसके शेयरों की भी 23 अक्टूबर को ही एनएसई और बीएसई के जरिये बाजार में एंट्री भी होने की संभावना है। सप्सक्रिप्शन के लिए ओपन चीथा आईपीओ सहजानंद मेडिकल टेक्नोलोजीज (एमएमटी) का है, जिसका साइज 475.48 करोड़ रुपये है। इस इश्यू में भी 19 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। इसमें निवेश करने के लिए 327 रुपये प्रति शेयर से लेकर 344 रुपये प्रति शेयर	का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लाट साइज 43 शेयरों का है। इस आईपीओ की लिस्टिंग भी सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी 23 अक्टूबर को बीएसई और एनएसई पर होने जा रही है। मेनबोर्ड के इन चार आईपीओ के अलावा एसएमई सेगमेंट के शेल्फ इंडिया के आईपीओ में भी 19 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। 59.97 करोड़ रुपये के इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 170 रुपये प्रति शेयर से लेकर 179 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है। जबकि लाट साइज 800 शेयर का है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 23 अक्टूबर को कंपनी के शेयर बीएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। अगर लिस्टिंग की बात करें तो इस सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन 21 अक्टूबर को एचडी फायर प्रोटेक्ट के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होकर अपने कारोबार की शुरुआत करेंगे। इसी दिन वैभव व्यापार लिमिटेड के शेयर एनएसई के एसएमई प्लेटफार्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इसके अगले दिन 22 अक्टूबर को फ्यूजन सोल्क्स के शेयरों की एनएसई और बीएसई के जरिये और रविता इंजीनियरिंग सर्विसेज के शेयरों की एनएसई के एसएमई प्लेटफार्म के जरिये बाजार में एंट्री होगी। इसके बाद सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी 23 अक्टूबर को जेटवर्क, बोनफिलियोलो ट्रांसमिशन, टॉबो इमेर्जिंग और सहजानंद मेडिकल टेक्नोलोजीज जैसी बड़ी कंपनियों के शेयर बीएसई और एनएसई पर लिस्ट होंगे।

साफ्टबैंक की निकारी के बावजूद लेंसकार्ट में निवेशकों का बढ़ता भरोसा
नई दिल्ली। जापानी निवेश फर्म साफ्टबैंक द्वारा अपनी हिस्सेदारी घटाने के बावजूद भारतीय म्युडुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने आईवियर रिटर्नर लेंसकार्ट साल्यूशंस के सभी बचे गए शेयरों को तत्काल खरीद लिया है। यह घटनाक्रम कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और मुनाफे में लगातार बढ़ोतरी पर निवेशकों के गहरे भरोसे को दर्शाता है। हाल ही में लाक-इन अवधि समाप्त होने के बाद साफ्टबैंक ने इस साल दो ब्लॉक डील के जरिए लेंसकार्ट में अपनी हिस्सेदारी मार्च के 13.13 फीसदी से घटाकर अब 7.27 फीसदी कर दी है। इसके बावजूद, निवेशकों का यह मजबूत विश्वास कंपनी के दमदार वित्तीय नतीजों और मुनाफे में तेज बढ़ोतरी के कारण कायम है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, लेंसकार्ट में सबसे बड़ा फंड एसेबीआई एग्रेसिव हाइब्रिड फंड है, जिसकी हिस्सेदारी 3 फीसदी है, जिसके बाद कोटक टेक्नालजी फंड (1.76 फीसदी) और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड (1.34 फीसदी) का स्थान आता है। बीते एक साल में लेंसकार्ट के शेयर ने बाजार के मुकाबले बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसमें 43.4 फीसदी की तेजी देखी गई है, जबकि निफ्टी 50 में इसी अवधि में 11.7 फीसदी की गिरावट आई है। विश्लेषकों का मानना ​​है कि यह वृद्धि केवल अत्यधिक उछाल का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कंपनी की कमाई में मजबूत बढ़ोतरी का सीधा नतीजा है।

सर्पाफा बाजार में मामूली तेजी का रुख, सोना और चांदी की बढ़ी चमक

नई दिल्ली	घरेलू सर्पाफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। भाव में हुए बदलाव के बाद सोना 210 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 230 रुपये प्रति 10 ग्राम तक बढ़ा हो गया है। इसी तरह चांदी के भाव में भी शुरुआती कारोबार के दौरान 100 रुपये प्रति किलोग्राम तक की सांकेतिक तेजी दर्ज की गई है।	प्रति किलोग्राम तक गिर गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,47,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,500 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,47,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,47,710 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,35,400 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।
कीमत में आई उछाल के बाद देश के ज्यादातर सर्पाफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,47,660 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,47,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,35,350 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,35,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्पाफा बाजार में 2,30,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो	अंतरराष्ट्रीय बाजार में गिरावट आने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में कमजोरी दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 3,760 रुपये प्रति 10 ग्राम तक फिसल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार	इन् प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,47,660 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,35,350 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,47,660 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट

एनटीपीसी परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में करेगी विस्तार, 30 गीगावाट का लक्ष्य



नई दिल्ली	तलाश करेगी। हालांकि, संभावित स्थल के चयन के बाद भी तकनीकी और नियामक प्रक्रियाओं की लंबी श्रृंखला पूरी करनी होगी। एनटीपीसी औसतन 1,400 मेगावाट क्षमता वाली परमाणु परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रही है, जिसमें 700-700 मेगावाट की दो इकाइयां होंगी। उद्योग के अनुमान के अनुसार, प्रति गीगावाट क्षमता के लिए लगभग 15,000 से 20,000 करोड़ रुपये का निवेश अपेक्षित है। इन परियोजनाओं के लिए पर्याप्त भूमि, निरंतर जलापूर्ति और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक होगी।
देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का व्यापक विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ने वर्ष 2047 तक देश में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए उत्तर प्रदेश सहित कई नए राज्यों में संभावित स्थलों की तलाश की जाएगी। यह पहल देश में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। एनटीपीसी 2032 तक कम से कम 2 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने पर काम कर रहा है। यह केंद्र सरकार के 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सहायक होगा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी बिहार, मध्य प्रदेश और ओडिशा में परमाणु बिजली परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरा कर चुकी है, जिसमें बांका (बिहार), बसई (मध्य प्रदेश) और नबरंगपुर (ओडिशा) को संभावित स्थल के रूप में चिह्नित किया गया है। अब कंपनी उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी उपयुक्त स्थानों की	कोयला, गैस, जलविद्युत और सौर ऊर्जा के बाद परमाणु ऊर्जा में यह विस्तार भारत की दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा और स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

भारत ने घटाया रूसी कच्चे तेल का आयात, वाडिनार बना सबसे बड़ा खरीदार

सितंबर में निर्यात 43 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूरो तक पहुंचा

नई दिल्ली	रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी कच्चे तेल पर पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में एक बड़ी खामी सामने आई है। सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरआरईए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत, तुर्किये और बुर्नेई जैसे देशों की रिफाइनरियां रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर उससे बने ईंधन उत्पादों को पश्चिमी देशों को निर्यात कर रही हैं। सितंबर में यह निर्यात 43 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूरो (लगभग 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, जबकि इन पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल से बने ईंधन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। सीआरआरईए की रिपोर्ट बताती है कि इन रिफाइनरियों से यूरोपीय संघ ने 66.7 करोड़ यूरो, आस्ट्रेलिया ने 16.8 करोड़ यूरो, अमेरिका ने 15.4 करोड़ यूरो और न्यूजीलैंड ने 1.9 करोड़ यूरो के तेल उत्पाद खरीदे। अनुमान है कि इन उत्पादों में 29.5 करोड़ यूरो मूल्य के उत्पाद सीधे रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए थे। गुजरात स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर रिफाइनरी इस व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी है। इसने सितंबर में यूरोपीय संघ के बंदरगाहों पर पहुंचने वाले सात में से छह ईंधन शिपमेंट की आपूर्ति की। जामनगर रिफाइनरी ने अमेरिका को
भी 12.2 करोड़ यूरो मूल्य का सर्वाधिक निर्यात किया। जुलाई से सितंबर के दौरान, जामनगर के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत रही। सीआरआरईए ने इस स्थिति को प्रतिबंधों में एक खामी बताया है। संगठन का कहना है कि यूरोपीय संघ का प्रतिबंध केवल शुद्ध कच्चा तेल निर्यातक देशों को छूट देता है, जिससे उन देशों की रिफाइनरियां को रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण करने की अनुमति मिल जाती है, जो बाद में अपने उत्पादों को प्रतिबंध लगाने वाले देशों को बेचते हैं। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि प्रतिबंध देश के बाजार रिफाइनरी के स्तर पर लागू किए जाने चाहिए, ताकि पिछले छह महीनों में रूसी कच्चे तेल का	प्रसंस्करण करने वाली किसी भी रिफाइनरी से बने तेल उत्पादों के आयात पर रोक लगाई जा सके। हालांकि, सितंबर में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात 13 प्रतिशत घट गया, जो अप्रैल के बाद सबसे निचला स्तर था। जामनगर में 27 प्रतिशत, इंडियन आयल कार्पोरेशन की पापदीप रिफाइनरी में 21 प्रतिशत और नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट के बावजूद, वाडिनार ने सितंबर में जामनगर को पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे बड़े रूसी कच्चे तेल आयातक का स्थान हासिल किया। सीआरआरईए के अनुसार, भारत सितंबर में रूस से जीवाश्म ईंधन खरीदने वाला दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश रहा।

सोने की कीमत 1,47,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,47,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,35,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,47,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,35,400 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्पाफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,47,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,35,500 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्पाफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियां बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,47,660 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।
--